http://www.cgboardonline.com

[कुल प्रश्नों की संख्या : 18]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7]

J-201001–B

विषय : हिन्दी (विशिष्ट)

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 75

निर्देश : (*i*) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है, जिसके खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न, खण्ड (ब) में उचित संबंध संबंधी प्रश्न एवं खण्ड (स) में रिक्त स्थानों की पूर्ति संबंधी प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 1 अंक निर्धारित है।

(*iii*) प्रश्न क्रमांक 2 से 6 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द–सीमा *30* शब्द है। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) प्रश्न क्रमांक 7 से 10 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक उत्तर लगभग *50* शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक उत्तर लगभग *75* शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) प्रश्न क्रमांक 16 एवं 17 अपठित गद्यांश एवं पत्र-लेखन प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक निर्धारित हैं।

(*vii*) प्रश्न क्रमांक 18 दीर्घउत्तरीय प्रश्न (निबंध) है। इसका उत्तर लगभग *250* से *300* शब्दों में लिखिए। इस प्रश्न पर 8 अंक निर्धारित है।

http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

प्रश्न-1 (खण्ड-अ) सही विकल्प चुनकर लिखिए : [1×5=5]

(*i*) बिसतंतु शब्द का अर्थ है :

(अ) कीड़े-मकोड़े

(ब) साँप-बिच्छू

(स) जीव-जंतु

(द) पशु-पक्षी

(*ii*) 'जेबकतरा' पाठ से हमें शिक्षा मिलती है :

(अ) सामाजिकता की

(ब) मानवीय संवेदना की

(स) धार्मिक क्षेत्र की

(द) आर्थिक क्षेत्र की

(*iii*) "अभिषेक आज राजा का नहीं प्रजा का है"—यह काव्य-पंक्ति है :

(अ) गृह-प्रवेश से

(ब) जनतंत्र का जन्म से

(स) जीवन का झरना से

(द) कन्यादान से

(*iv*) मधुलिका ने पुरस्कार में माँगा था :

(अ) स्वर्ण मुद्रा

(ब) भूमि

(स) प्राणदण्ड

(द) महल

http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

(*v*) घीसा के गुरु थे :

(अ) महादेवी वर्मा

(ब) सुभद्रा कुमारी चौहान

(स) गुरु रवीन्द्रनाथ ठाकुर

(द) गुरु द्रोणाचार्य

प्रश्न-1 (खण्ड-ब) उचित संबंध जोड़िए : [1×5=5]

(क)		(ख)
(*i*) गृह-प्रवेश	-	मजदूर
(*ii*) जीवनबद्ध श्रम शक्ति की इकाई	-	शील की कविता
(*iii*) साध	-	बाधा के रोड़ों से लड़ता
(*iv*) जीवन का झरना	-	एकाकी जीवन की व्यथा
(*v*) बरवै छंद	-	शांतिप्रिय जीवन की कल्पना

प्रश्न-1 (खण्ड-स) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : [1×5=5]

(*i*) स्व. मँदरा जी दाऊ —— के बहुत बड़े कलाकार थे।

(*ii*) —— के कंठ से ही नर्मदा निकली है।

(*iii*) पसीने की तुलना —— से की गई है।

(*iv*) —— में गति है, यौवन है, वह आगे बढ़ता जाता है।

(*v*) वह अपनी —— को छोड़कर जा चुका था।

प्रश्न-2 मानसरोवर के कमल को स्वर्णिम कमल कहने का क्या आशय है ? [2]

http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

प्रश्न-3 ''पानी में झाँककर कभी अपने चेहरे पर मत रीझना''—इस पंक्ति के माध्यम से माँ बेटी को क्या सीख देना चाहती है ? [2]

प्रश्न-4 'अभिषेक आज राजा का नहीं प्रजा का है'—यह किस अवसर के लिए कहा गया है ? [2]

प्रश्न-5 निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए : [½+½+½+½=2]

(अ) तमोगुण

(ब) मनोभाव

(स) अधोभाग

(द) वयोवृद्ध

प्रश्न-6 रीति सिद्ध काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए। [2]

प्रश्न-7 'सुआ (गीत)' नृत्य के समय टोकनी में भरे धान के ऊपर सुआ रखने का क्या अर्थ है ? [3]

प्रश्न-8 मधुलिका ने अपनी भूमि के बदले मिलने वाली राजकीय अनुग्रह को अस्वीकार कर किस प्रकार के जीवन निर्वाह को चुना, और क्यों ? [3]

प्रश्न-9 'जेबकतरा' कहानी पढ़ने के बाद मन में कौन-से भाव जागृत होते हैं ? लिखिए। [3]

प्रश्न-10 प्रगतिवाद की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए। [3]

प्रश्न-11 ''दुनियाँ में क्या नहीं ? कौन-सी चीज मैंने अपने हाथों पैदा नहीं की ?'' इस कथन को ध्यान में रखकर मजदूरों के द्वारा किए गए निर्माण कार्यों को अपने शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

बीमारी शब्द को लेखक ने किन-किन संदर्भों में प्रयोग किया है ? टैक्स को बीमारी के रूप में देखने का क्या आशय है ?

http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

प्रश्न-12 निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए : [4]

मैं यहाँ स्वच्छन्द हूँ,
जाना नहीं है।
चित्रकूट की अनगढ़ चौड़ी
कम ऊँची-ऊँची पहाड़ियाँ
दूर दिशाओं तक फैली हैं।
बाँझ भूमि पर
इधर-उधर रींवा के पेड़
काँटेदार कुरूप खड़े हैं।

अथवा

अमल धवलगिरि के शिखरों पर
बादल को घिरते देखा है।
छोटे-छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है
बादल को घिरते देखा है।

प्रश्न-13 कवि ने जीवन की समानता, झरने से किन-किन रूपों में की है? अपने शब्दों में लिखिए। http://www.cgboardonline.com [4]

अथवा

दृढ़ता और जड़ता में फर्क को पाठ में किस प्रकार बताया गया है? उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

प्रश्न-14 मीरा को जो अमोलक वस्तु मिली है, उसके बारे में वे क्या-क्या बता रही हैं ? अपने शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

लेखक बनने के लिए शरत बाबू के क्या-क्या सुझाव थे ?

प्रश्न-15 सिकुमार की माँ क्या कहते-कहते रो पड़ी ? [4]

अथवा

''सुसकत आवत होही भइया मोर''—पंक्ति के अनुसार दुल्हन की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

प्रश्न-16 मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ उठाने हेतु मुख्यमंत्री कार्यालय को आवेदन-पत्र लिखिए। [1+3+1=5]

अथवा

अपनी बड़ी बहन के विवाह की तैयारियाँ संबंधी जानकारी देते हुए अपनी सहेली / दोस्त को पत्र लिखिए।

प्रश्न-17 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [1×5=5]

जीवन में समय का नियोजन ही सफलता की कुंजी है। समय का चक्र अपनी गति से चल रहा है या यूँ कहें कि भाग रहा है। अक्सर इधर-उधर, कहीं-न-कहीं से यह सुनने को मिलता है कि क्या करें, समय ही नहीं मिलता। वास्तव में, हम निरंतर गतिमान समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चल ही नहीं पाते और पिछड़ जाते हैं। चाणक्य ने कहा है—''जो व्यक्ति जीवन में समय का ध्यान नहीं रखता, उसके हाथ असफलता और पछतावा ही लगता है।'' कबीरदास जी ने भी 'काल करै सो आज कर, आज करै सो अब' कहकर काम को कल पर नहीं टालने की सीख दी है। समय जैसे बहुमूल्य धन को सोने-चाँदी की तरह संरक्षित नहीं रखा जा सकता क्योंकि समय तो गतिमान है। इस पर हमारा अधिकार तभी तक है, जब तक हम इसका सदुपयोग करें अन्यथा यह नष्ट हो जाता है।

http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com
http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

प्रश्न :

(*i*) व्यक्ति जीवन की दौड़ में कब पिछड़ जाता है ?

(*ii*) चाणक्य के अनुसार, समय का ध्यान न रखने वाले व्यक्ति को जीवन में क्या मिलता है ?

(*iii*) जीवन में सफलता की कुंजी किसे बताया गया है और क्यों ?

(*iv*) समय जैसे बहुमूल्य धन को सोने-चाँदी के समान क्यों नहीं रखा जा सकता ?

(*v*) कबीरदास जी की सीख यदि न मानी जाए तो उसका क्या परिणाम होगा ?

(*vi*) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

http://www.cgboardonline.com

http://www.cgboardonline.com

प्रश्न-18 निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग *250-300* शब्दों में निबंध लिखिए : [1+1+4+2=8]

(*i*) छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी : नरवा, गरुवा, घुरुवा, बारी

(*ii*) मोबाइल फोन : लाभ-हानि

(*iii*) युवाओं में बढ़ती हिंसा वृत्ति

(*iv*) स्वच्छ भारत—स्वस्थ भारत

(*v*) योग का महत्व

(*vi*) प्लास्टिक-मुक्त भारत

http://www.cgboardonline.com